# x`g.kh lfefr okf"kZd fjiksVZ 2026

## vFkZ lsoj dk;Zde

### IykfLVd dpjk izca/ku ,oa vk; vtZd xfrfof/k :–

बलौदाबाजार जिले को प्लास्टिक कचरा मुक्त करने एवं स्वच्छता के क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के दैनिक आय को बढाने के उद्येश्य से जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रो से निकलने वाले प्लास्टिक कचरे का निपटान के साथ इस कचरे से आय अर्जन करने का विकल्प संस्था ने खोज निकाला है जिससे पर्यावरण प्रदुषण पर भी बहुत हद तक नियंत्रण पाया जा रहा है। इससे पहले इस प्रकार के कचरे का संग्रहण तो हो रहा था किन्तु उसे एक सुनिश्चित जगह पर फेका जाता और ढेर लगने पर जला दिया जाता था जिससे न केवल वायु प्रदुषण अपितु भुमि प्रदुषण तथा मवेशियो के निगल जाने जैसी घटनाए पर्यावरण एवं पशुपालको के लिए बहुत बडी चुनौती बन रही थी। संस्था के हस्ताक्षेप से बलौदा बाजार शहर के तीन मणीकंचन दशहरा मैदान वार्ड क्रमॉक 5, भैसा पसरा वार्ड क्रमॉक 10, गैस गोदाम वार्ड क्रमॉक 18 साथ ही पलारी, लवन, कसडोल, भाठापारा, पनगॉव, देवरीकला, सेम्हराडीह एवं चुचरूंगपुर आदि जगहो से प्लास्टिक कचरे एकत्र करवाना और निर्धरीत समय से उसे संयंत्र तक ढुलाई कराने का कार्य बहुत ही सुदृढ तरीके से लगातार किया जा रहा है। संस्था मुख्य रूप से सीमेंट संयंत्र को वैकल्पिक ईंधन उपलब्ध करा रही है और प्लास्टिक कचरे का  निपटान शुनिश्चित कर पर्यावरण संरक्षण व स्वछता के क्षेत्र में बहुमुल्य योगदान देते हुए मणीकंचन केन्द्रो में कार्यरत महिलाओ के दैनिक आय बढाने का प्रयास कर रही है। इन महिलाओ को आर्थिक लाभ पहुचाने के साथ –साथ उनके लिए जागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन कर शासन की विभिन्न योजनाओ की जानकारी देना और उससे जुडकर अपना व अपने परिवार को लाभान्वित करना भी सीखा रही है ताकि आने वाले दिनो में वे महिलाए मजबुत बन सके । स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी इन महिलाओ को जागरूक रखने समय–समय पर स्वास्थ्य जॉच हेतु प्रेरित करने का कार्य संस्था कर रही है। महिलाओ को उनके मौलिक अधिकारो के प्रति सजग रहने प्रेरित करना एवं किसी भी असमान्स धटानाओ की अनदेखी न कर शारीरीक या मानसिक शोषण से बचने सजग कर रही है।

संस्था अर्थ सेवर कार्यक्रम को और वृहद करने अगस्त 2026 से अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र में भी प्लास्टिक कचरे की सप्लाई हेतु कार्ययोजना बनाकर संबंधित अधिकारीयों के सांथ समन्वय कर रायपुर जिले के खरोरा व तिल्दा में संचालित मणीकंचनो से भी प्लास्टिक कचरा प्रबंधन पर कार्य प्रारंभ की है।

वर्ष 2026 – 2027 में सभी मणीकंचन केन्द्रो के माघ्यम से संस्था 176 टन प्लास्टिक कचरे का व्यवस्थित प्रबंधन कर  सीमेंट संयंत्र को वैकल्पिक ईंधन उपलब्ध करा चुकी है जिससे कार्यरत महिलाओ को ढुलाई सहित 308600रु अक्षरी rhu yk[k vkB gtkj N% lkS :i;s का आर्थिक लाभ पहॅुचाने का सफल प्रयास किया है।

e.khdpu dUnk }kj fd, x, IykfLVd dpj d icu/ku dk fooj.k

| क | मणीकंचन केन्द्र का नाम | वजन | भुगतान की गई राशि | गाडी भाडा की राशि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | दशहरा मैदान बलौदा बाजार वार्ड 05 | 26250 | 30758 | 13600 |
| 2 | भैसा पसरा बलौदा बाजार वार्ड 10 | 21130 | 23510 | 12000 |
| 3 | गैस गोदाम बलौदा बाजार वार्ड 19 | 32680 | 38826 | 15600 |
| 4 | पलारी | 34310 | 40394 | 21000 |
| 5 | लवन | 41900 | 50280 | 23800 |
| 6 | कसडोल | 5960 | 6786 | 6000 |
| 7 | चुचरूंगपुर | 850 | 1350 | 1700 |
| 8 | महादेव पल्व कम्पनी | 13330 | 15996 | 7500 |
| | dy | 176410 | 207400 | 101200 |

## ,d dne LoPNrk dh vksj

पलारी विकास खण्ड के चुचरूंगपुर गांव में स्वच्छता आदित्यन ज्योती स्वयं सहायता समुह के सांथ भी कार्य प्रारंभ की है।

स्वच्छता आदित्यन ज्योती स्वयं सहायता समुह ग्राम चुचरूंगपुर द्वारा पिछले दो वर्षो से गांव में ही प्लास्कि कचरे इकट्टा करने का कार्य कर रही थी पर वह कचरे को बेचकर आय प्राप्त किया जा सकता है इस बात से बिल्कुल ही अंजान थी। जब गृहणी समिति के सदस्यो ने गांव में बैठक किया और बताया की आपने जो मेहनत किया है उसे बेचा जा सकता है और पर्यावरण प्रदुषण को रोका भी जा सकता है।

गृहण समिति और स्वच्छता आदित्यन ज्योती स्वयं सहायता समुह ग्राम चुचरूंगपुर के मध्य सहमती बनी और दिनांक 14/06/2026 दिन शनिवार को यहा से 850 किलो ग्राम प्लास्टिक कचरा उठाकर न्यु विस्टा सीमेंट संयंत्र रिसदा AFR के रूप में सप्लाई किया गया

इसी प्रकार संस्था अपने आस पास के ग्रामों जैसे गुमा, सरसेनी, रावन, झीपन, पेन्ड्री, तिल्दाबांधा, आदि में स्वछता समुहो व ग्राम पंचायत के सदस्यो के सांथ बैठक कर कार्य प्रारंभ करने की तैयारी कर रही है। ताकी प्लास्टिक कचरे का उचित प्रबंधन किया जा सके एवं ग्रामीण महिलाओ की दैनिक आय को बढाया जा सके

योग से निरोग बनना सीखा रही गृहणी समिति

विश्व योग दिवस 2026 का मुख्य उद्देश्य 45 वर्ष से ऊपर महिलाओं एवं पुरुषों को योग के माध्यम से खुद को निरोग रखने और कम से कम औषधि का उपयोग करना रहा है इसी क्रम में राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गृहणी समिति द्वारा विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत स्कूली बच्चों पलकों समूह के सदस्यों आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका मितानिन एवं गांव के नागरिकों को नियमित योग करना तथा इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया गया।

नियमित योग से कैसे निरोगी काया पाया जा सकता है साथ ही विभिन्न रोगों से ग्रसित रोगियों के लिए योग संजीवनी बन सकता है इस विषय पर उपस्थित स्वास्थ्य प्रेमियों को जागरूक किया गया । समिति के सहयोग से ग्राम सकरी में सुरेंद्र वर्मा, डमरु में उषा साहू, बडगहन में थानेश्वर वर्मा एवं चूचरूंगपुर  में तोमेश वर्मा के सहयोग से सफल आयोजन किया गया। उपरोक्त जानकारी गृहणी समिति अध्यक्ष श्रीमती रूपा श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

'kkS{k.khd Hkze.k

संस्थागत कार्यो के समय पर संपादन हेतु भोपाल का एक दिवसीय शौक्षणीक भ्रमण संस्था के अध्यक्ष श्रीमती रूपा श्रीवास्तव एवं सदस्य श्रीमती उषा साहु जी द्वारा 4 मई 2026 को आयकर विभाग का विजिट किया गया और 12A प्रमाणपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में पुर्ण जानकारी आयकर विभाग की अधिकारी रीतु मैडम जी से लिया एवं संस्था के लिए आवेदन प्रक्रिया को आगे बढाया जिसके परिणम स्वरूप जून 2926 मे ही संस्था को 12A प्रमाण पत्र प्रप्त हुआ

## i'kक्सो एवं पोस अधिनियम पर कार्यशkkyk vk;kstu

गृहणी समिति द्वारा प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्राम सेक्सुअल ऑफेंसेस एक्ट तथा प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हरासमेंट एक्ट इन वर्कप्लेस विषय पर जागरूकता फैलाने हेतु एक वृहद कार्ययोजना तैयार कर कार्यशाला का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इस योजना के प्रथम चरण में जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों  की महिलाओ एवं बालिकाओ को जागरूक करने के लक्ष्य पर कार्य करते हुए . कार्यशाला का सफल आयोजन किया जा चुका है। गौरतलब है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में महिलाओ एवं बालिकाओ के प्रति उत्पीडन की घटनाए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सामने आती रही है, लेकीन संबंधित कानुनो की जानकारी के अभाव में पीडित पक्ष आवाज नही उठा पाता। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा पंचायत स्तर, स्वयं सहायता समुहो तथा स्कुली क्षात्राओ तक जागरूकता फैलाने का कार्य किया जा रहा है।

इस अभियान के सफल संचालन हेतु देश की प्रमुख संस्थाओ को नॉलेज पार्टनर के रूप में जोडा गया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ  12 अगस्त को महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद से किया गया जो अनवरत रूप से चल रहा है। कार्यक्रम का संचालन गृहणी समिति के कार्यकारिणी सदस्यो के द्वारा किया जा रहा है, जिसमें आस– पास के स्वयं सेवी संस्थाओ के प्रतिनिधि, जनपद एवं जिला पंचायत के अधिकारी, स्वयं सहायता समुह की महिलाएं, जनप्रतिनिधि, स्कुली बालिकाएं एवं शिक्षक शिक्षिकाएं सहभागीता कर रही है।

संस्था की ओर से पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन, प्रिंटेड मटेरियल, गेम्स एवं रोल प्ले के माध्यम से प्रतिभागियो को पॉक्सो एवं पोस अधिनियम के प्रावधानो, अधिकारो एवं आवश्यक सावधानियो के संबंध में जागरूक किया जा रहा है।

अभियान के प्रमुख उद्देश्यो में शमिल हैः— पॉक्सो एवं पोस अधिनियम के प्रति ग्रामीण क्षेत्रो में व्यापक जागरूकता फैलाना। ऐसा घटनाओ की रोकथाम के लिए गांव स्तर पर सुरक्षित वातावरण तैयार करना। प्रत्येक गांव में विषय विशेषज्ञ तैयार करना, जिससे स्थानीय स्तर पर सहायता उपलब्ध हो सके। ब्लॉक स्तर पर संबंधित विभागो के साथ समन्वय स्थापित करना। शासन की भागीदारी से प्रभावी नेटवर्क बनाकर गांव स्तर तक संवाद प्रणली विकसित करना। संस्था प्रमुखो के द्वारा इस कार्ययोजना को समय—समय पर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है जिससे जागरूकता का संदेश गांव—गांव तक पहुंचे और महिलाओ एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

## x`g.kh lfefr us fd;k gjsyh feyu

छत्तीसगढ के प्रथम त्यौहार हरेली के अवसर पर संस्था द्वारा ग्रामीण महिलाओ को आपस में मिलाने एवं पारंपरिक खेल कुद के माध्यम से छत्तीसगढी परंपराओ को संजोने का अनुठा प्रयास किया है। श्रावण मास में कृष्ण पक्ष की अमावश्या तिथि को छत्तीसगढ के किसान अपनी खेतो को धान की फसलो से हरा भरा कर कृषि औजारो की पुजा अर्चना के साथ बडे हषोल्लास से यह त्यौहार मनाते है जो इस बार 12 अगस्त को था इसी अवसर पर कुथरौद गॉव में संस्था ने महिलाओ के लिए होली मिलन कार्यक्रम का आयोजनद किया जिसमें आस पास के करीब 45 महिलाएं सामिल रही। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से अत्याधुनिक जमाने में ग्रामीण परंपराओ को संजोए रखने पर आपसी विचार विमर्स किया गया साथ ही पारंपरीक त्यौहारो से कैसे लोग एक दुसरे से जुडे रहते थे इस पर प्रतिभागीयो ने अपने—अपने विचार साझा किया।

छत्तीसगढी परंपराओ को जीवंत करने छत्तीसगढ के महिलाओ की सबसे पौरानिक खेल फुगडी प्रतियोगीता का आयोजन किया गया जिसके विजयी प्रतिभागीयो को संस्था के माध्यम के सम्मानित किया गया। महिलाए क्षे़त्र मे पहली बार इस तरह के आयोजन हाने पर खुसी जाहिर करते हुए कार्यक्रम आयोजन के लिए प्रसंसा कर आने वाले दिनो में भी ऐसे ही कार्यक्रमो की आशा के सांथ हर्षोल्लास से कार्यक्रम का समापन किया।

## xkS vk/kfjr उत्पाद प्रशिक्षण dk;Zde

गृहणी समिति ने ग्रामीण महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद में दो दिवसीय गौ आधारित उत्पाद निर्माण प्रशिक्षण कराया। प्रशिक्षण मे आस पास गॉव के 30 महिला स्वयं सहसयता समुहो की महिलाओ ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्येश्य गाय के गोबर से उपयोगी व बाजार मे मांग वाले उत्पाद की व्यवहारिक जानकारी देना एवं स्वरोजगार उद्यमिता के लिए महिलाओ को प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती रूपा श्रीवास्तव एवं कंचन पटेल का मैजुदगी में किया गया। प्रशिक्षक तोमेश वर्मा व मधु वर्मा ने महिलाओ को गोबर से सजावटी दिया, हवन गोबर केक सहित कई उपयोगी सजावटी उत्पाद बनाना सिखाया महिलाओ को मोल्ड काउपयोग का उत्पाद तैयार करने की विधि बताई गई। जरूरी कच्चे माल की जानकारी के साथ कच्चे माल के श्रोत के बारे मे जानकार दिया। पैकिंग कातरीका लागत निर्धरण तथा बाजार की संभावनाओ के बारे मे विस्तार पुर्वक बताया गया। प्रशिक्षको ने बताया की घर में आसानी से मिलने वाली सामग्री से कम लागत में ये उतनाद बनाए जा सकते है और इन्हे घरेलु स्तर पर आय का श्रोत बनाया जा सकता है।

## isz l dojst

## गृहिणी स्वयं सेवी संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु प्लास्टिक वेस्ट निमूर्लन की पहल

**भाटापारा ( कुबेर भूमि )।** गृहिणी संस्था प्लास्टिक वेस्ट निर्मूलन हेतु बलौदाबाजार, भाटापारा, कसडोल, लवन में शासन और न्यूवो सीमेंट के सक्रिय भागीदारी में अबतक 1105 टन का सुरक्षित निपटान किया गया है और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 12 लाख आय अर्जन हेतु सहयोग दिया गया है। इसी तारतम्य में खरोरा नगर पंचायत के मणिकंचन केन्द्र में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की आय अर्जन के उद्देश्य से एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन ओम प्रकाश सिंह मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देशन में किया गया इस अवसर पर राकेश सोनी उप अभियंता अजित बंछोर जिला समन्वयक (एस. बी. एस. ), यशवंत वर्मा स्वच्छता सुपरवाईजर एवं ईश्वरी लहरी स्वयं सहायता सुपरवाईजर एवं गृहणी संस्था अध्यक्ष रुपा श्रीवास्त्व ,सचिव तोमेश वर्मा सहित स्वयं सहायता समूह के सभी सदस्यों की उपस्थिति थी। कार्यक्रम में गृहणी संस्था की अध्यक्ष ने कार्यप्रणाली, सुरक्षित कार्य प्रविधी, आर्थिक आय अर्जन के साथ प्लास्टिक के सुरक्षित निवारण से होने वाले पर्यावरण संरक्षण पर भी प्रकाश डाला। स्वयं सहायता समूह की सदस्यों एवं अधिकारीयों ने प्लास्टिक आपूर्ति गृहणी संस्था के माध्यम से करने की सहमति जतायी। ज्ञातव्य हो कि इस कार्य को गृहणी अर्थ सेवर परियोजना के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है।

---

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
19082026 Madhyanchal Bhoomi - 19 Aug 2026 - Page 1

## गांव-गांव पहुंचेगा पॉक्सो और पोश कानून का जागरूकता संदेश

हरिभूमि न्यूज़ ›› तिल्दा-नेवरा

■ जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं, बालिकाओं को जानकारी पहुंचाने कार्ययोजना तैयार

**गांवों में तैयार होंगे विषय विशेषज्ञ**

---

## गृहणी स्वयंसेवी संस्था ने पॉक्सो पोश एक्ट पर किया जागरूक

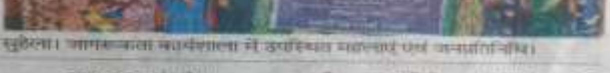

सुहेला। जागरूकता कार्यशाला में उपस्थित महिलाएं एवं जनप्रतिनिधि।

भास्कर न्यूज | सुहेला

प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल ऑफेंसेस एक्ट तथा प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हरासमेंट एक्ट इन वर्कप्लेस विषय पर जनजागरूकता फैलाने हेतु गृहणी स्वयंसेवी संस्था द्वारा एक वृहद कार्ययोजना तैयार की गई है। जिसके तहत महिला सशक्तिकरण भवन कुम्हरौद आयोजित बैठक में संस्था के कार्यकारिणी सदस्यों, आसपास की स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, जनपद एवं जिला पंचायत के अधिकारी तथा 50 से अधिक महिलाएं शामिल हुए।

गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति उत्पीड़न की घटनाएं प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सामने आती ही रहती हैं लेकिन संबंधित कानूनों की जानकारी के अभाव में पीड़ित पक्ष आवाज नहीं उठा पाता। इसी को ठीक किया जाएगा।

---

दैनिक भास्कर बलौदाबाजार-भाटापारा भास्कर 09-10-2026

## गोबर से ऐसे उत्पाद बनाना सिखाया जिससे महिलाओं की आमदनी बढ़े

भास्कर न्यूज | सुहेला

महिलाओं को गौ आधारित उत्पाद का दिया जा रहा प्रशिक्षण।

गृहिणी स्वयंसेवी संस्था ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गृहिणी समिति महिला सशक्तिकरण केंद्र कुम्हरौद में दो दिवसीय गौ-आधारित उत्पाद निर्माण प्रशिक्षण कराया। प्रशिक्षण में आसपास के गांवों के 30 महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने भाग लिया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य गोबर से उपयोगी, बाजार में मांग वाले उत्पाद बनाने की व्यावहारिक जानकारी देना था। स्वरोजगार, उद्यमिता के लिए महिलाओं को प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ रूपा श्रीवास्तव, कंचन पटेल की मौजूदगी में हुआ। प्रशिक्षक तोमेश वर्मा, मधु वर्मा ने महिलाओं को गोबर से सजावटी दीया, हवन गोबर केक सहित कई उपयोगी, सजावटी उत्पाद बनाना सिखाया। महिलाओं को मोल्ड से उत्पाद तैयार करने की विधि बताई गई। जरूरी कच्चे माल की जानकारी दी गई। निर्माण प्रक्रिया समझाई गई। कच्चे माल के स्रोत बताए गए। पैकिंग का तरीका बताया गया। लागत निर्धारण की जानकारी दी गई। बाजार की संभावनाओं पर भी विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षकों ने कहा कि घर में आसानी से मिलने वाली सामग्री से कम लागत में ये उत्पाद बनाए जा सकते हैं। इन्हें घरेलू स्तर पर आय का साधन बनाया जा सकता है। आगामी प्रशिक्षणों में धूपबत्ती, लक्ष्मी-गणेश, लक्ष्मी-पार्वती की मूर्तियां सहित अन्य उपयोगी, सजावटी उत्पाद भी शामिल किए जाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को उद्यमिता विकास पर अभिमुखीकरण दिया गया। उत्पाद की गुणवत्ता, आकर्षक पैकेजिंग, लागत, मूल्य निर्धारण, ग्राहक की जरूरत, बाजार से जोड़ने जैसे विषयों पर जानकारी दी गई।

हरिभूमि

गौ आधारित उत्पाद निर्माण प्रशिक्षण से महिलाओं को स्वरोजगार की दिशा में नई पहल

# महिलाओं को मिला गोबर से दीये व हवन केक बनाने का प्रशिक्षण